10. एक और अनेक (वचन)

एक या अनेक द्‌वारा व्यक्ति, प्राणी अथवा किसी वस्तु की संख्या का बोध होता है। बच्चे अधिकतर एक या अनेक लिखते समय **याँ**, **ऐं, इयाँ** आदि की अशुद्‌धियाँ करते हैं। यदि प्रारंभिक स्तर पर ही उनकी इन त्रुटियों पर ध्यान दिया जाए तो भविष्य में वे इस प्रकार की त्रटियों से बचे रहेंगे।

शिक्षण-संकेत

❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ पर दिए चित्रों और शब्दों के माध्यम से बच्चों को एक-अनेक बताएँ।

❖ एक फूल अनेक फूल, एक कली—चार कलियाँ आदि शब्दों के उच्चारण करवाते हुए बच्चों को एक-अनेक शब्दों से परिचित करवाएँ।

❖ पाठ पृष्ठ 36 पर दिए अन्य शब्दों को पढ़वाएँ।

❖ आप शब्द बोलें तदुपरांत एक-एक कर बच्चों से उनकी एक या अनेक संख्या बताने को कहें।

❖ यह भी समझाएँ कि **ई ी** से अंत होने वाले शब्द का अनेक शब्द बनाते समय **ई ी** के स्थान पर **इ ि** हो जाती है। जैसे- टोपी-टोपियाँ, तितली-तितलियाँ आदि।

❖ बच्चे अकसर **इ-ई** की गलती ही दोहराते हैं, बार-बार इसका अभ्यास करवाएँ।

❖ साथ ही समझाएँ, **आ** से अंत होने वाले शब्दों का अनेक शब्द **ए** की मात्रा युक्त होता है, जैसे- दीया-दीये, ताला-ताले आदि।

❖ पाठ अभ्यास करवाने में बच्चों की यथासंभव सहायता करें। एक-अनेक वस्तुओं के शब्दों का उच्चारण करवाते हुए अभ्यास करवाएँ।